संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 26 वर्ष : सप्तम त्रैमासिक अप्रैल, 2013

गणतंत्र दिवस समारोह

राष्ट्र के 64 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर श्री राजेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक/ निर्माण ने संगठन के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिजनों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी जिनके सराहनीय योगदान के फलस्वरूप पिछले 32 वर्षों में निर्माण संगठन द्वारा 790 कि.मी. नई लाइनें, 167096 कि.मी. आमान परिवर्तन, 287 कि.मी. दोहरीकरण तथा ब्रह्मपुत्र के ऊपर दो बृहत पुलों का निर्माण संभव हो पाया।

महाप्रबंधक/ निर्माण ने यह भी व्यक्त किया कि " विजन 2020" के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों को वर्ष 2020 तक रेल नेटवर्क से जोड़ने की योजना में भी हमारा

संगठन ने अगरतला को रेल सेवा मुहैया करा कर एक विशेष उपलब्धि हासिल की है, जिससे त्रिपुरा के लोगों की बहूप्रतीक्षित सपना साकार हो पाया है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र हमेशा से ही सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील रहा है जिसके कारण यहाँ रेल संपत्ति तथा रेल कर्मचारियों को लगातार सुरक्षा की कमी महसूस होती रही, जो रेल निर्माण परियोजनाओं की प्रगति में प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने रेल संपत्ति तथा निर्माण स्थलों को लगातार सुरक्षा प्रदान करने के लिए सुरक्षा बलों की अथक प्रयास को भी सराहा।

अंत में उन्होंने पुनः सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भविष्य की चुनौतियों को सामना करने हेतु नए उद्यम, समर्पण तथा वचनबद्धता से कार्य करने के लिए आग्रह किया।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण

रेल संरक्षा आयुक्त ने दिनांक 22-03-2013 को मनिहारी से तेजनारायणपुर सेक्शन का निरीक्षण किया और सेक्शन को 75 कि. मी. प्रति घंटा की रफ्तार से गाड़ी चलाने के लिए प्राधिकृत किया।

संरक्षक
श्री राजेश कुमार सिंह
महाप्रबंधक/निर्माण

मुख्य संपादक
श्री हरपाल सिंह
मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

संपादक
श्री पी.के. सिंह
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

सहयोग
श्रीमती रंजु झा
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/नि.

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिसंबर, 2012 को समाप्त तिमाही के लिए क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस वर्ष की पहली बैठक श्री आर.के. सिंह, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 28.3.2013 को आयोजित की गई। बैठक में राजभाषा से संबंधित विभिन्न मदों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री, मणिपुर द्वारा परियोजना की प्रगति की समीक्षा

महाप्रबंधक/निर्माण के साथ मुख्यमंत्री, मणिपुर ने दिनांक 15-03-2013 को इंफाल में जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रेल की कानून एवं व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा आर्थिक अवरोध को घटाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है जो इस परियोजना की प्रगति को प्रभावित कर रहा है।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हिंदी में प्रवीणता/कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारियों को हिंदी नोटिंग आदि लिखने में हो रही झिझक को दूर करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण संगठन के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 11.2.13 से 14.2.13 तक एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। संगठन के विभिन्न विभागों के लिपिक वर्गीय कर्मचारी काफी संख्या में इस कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जून, श्री राजवीर, उप मुख्य इंजीनियर/नि

03 जून, श्री अजय प्रधान, उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग-2

05 जून, श्री पवन कुमार, उप मुख्य सि.एवं दू.सं.इंजीनियर/नि

25 जून, श्री पी.के. कलरवाल, उप मुख्य सि.एवं दू.सं. इंजीनियर/नि

05 जुलाई, श्री सुशील कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अलीपुरद्वार

14 जुलाई, श्री एस.के. कुलश्रेष्ठ, मु.प्र.अधिकारी/नि/2

01 अगस्त, श्री हरपाल सिंह, मुख्य इंजीनियर-8 व मुराधि/नि

06 अगस्त, श्री अशोक कुमार, मुख्य बिजली इंजीनियर/नि

06 अगस्त, श्री अशोक कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-3

06अगस्त,श्री अभिजीत मजुमदार,उप मुख्य इंजी./नि/अभिकल्प-2

08 अगस्त, श्री टी.टी. भूटिया, उप मुख्य इंजीनियर/नि/जिरिबाम-2

श्रद्धांजलि

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/योजना के अधीन कार्यरत श्री पलाश बोस, एक्स-कॉनसोल ऑपरेटर/निर्माण का दिनांक 1.1.2013 को देहांत हो गया। कार्यकुशल एवं अत्यंत परिश्रमी स्वर्गीय बोस की कमी संगठन को हमेशा महसूस होती रहेगी। उनकी आत्मा की शांति के लिए निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में दिनांक 03.01.2013 को शोक सभा आयोजित की गई।

स्वागत

श्री बी.वी. बारस्कर, एसजी/ आई.आर.एस.एस.का दिनांक 04.01.2013 को उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण के पद पर पदस्थापन हुआ।

स्थानांतरण /पदस्थापन

श्री पुलक चक्रवर्ती, एसएसटीई/नि/योजना/मालीगांव का दिनांक 2.4.2013 को पदोन्नति पर उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/योजना/मालीगांव के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री जी.जी. राय, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/योजना/मालीगांव का दिनांक 2.04.2013 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/एनजेपी के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री पवन कुमार, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण/एनजेपी का दिनांक 2.04.2013 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/सिलचर के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री सुशील कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/एपीडीजे ने दिनांक 22.04.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सामान्य-1 का पदभार ग्रहण किया।

श्री अशोक दत्ता, उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालदा का दिनांक 22.04.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/एपीडीजे के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री राम समुज, कांजी/नि/वॉकर्स/मालीगांव का पदोन्नति पर उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालदा के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री रवि अमरोही, उप मुख्य इंजीनियर/नि/इंम्फाल-1 का दिनांक 22.4.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सुरंग के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री तापस कुमार विश्वास, मंडल इंजीनियर/तिनसुकिया का दिनांक 22.4.2013 को पदोन्नति पर उप मुख्य इंजीनियर नि/इंम्फाल-1 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री अशोक कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-3 का दिनांक 22.4.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/भैरवी (सिलचर में) के पद पर पदस्थापन हुआ।

श्री सुव्रत दत्त, कांजी/नि/हाफलांग का दिनांक 22.4.2013 को पदोन्नति पर उप मुख्य इंजीनियर नि/सिलचर-3 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

वित्त वर्ष 2013-14 के नई लाइन एवं दोहरीकरण परियोजनाएं तथा नए सर्वेक्षण

वित्त वर्ष 2013-14 के रेल बजट के दौरान रेलमंत्री ने पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन से संबंधित नई लाइन परियोजनाएं, दोहरीकरण परियोजनाएं तथा नए सर्वेक्षण की घोषणा की है, जो निम्न प्रकार है:-

परियोजनाएं :

(1) नई लाइनें : दीमापुर-तिजित (257 कि.मी.)

(2) दोहरीकरण : रंगिया होकर न्यू बंगाईगांव से कामाख्या (142 कि.मी.)

नए सर्वेक्षण :

(1) पानीसागर-सिमनानापुर

(2) पत्थरकांडी-कानमुम

(3) भैरवी-सैरंग तक विस्तार के रूप में सैरंग-बिछुवा

पूर्वोत्तर राज्यों के राजधानियों को जोड़ने के लिए परियोजनाएं

इंफाल : जिरिबाम-तुपुल-इंफाल (110 कि.मी.) (मणिपुर राज्य की राजधानी इंफाल को जोड़ने के लिए नई बड़ी लाइन परियोजना) का कार्य पूर्ण गति पर है।

अरूणाचल प्रदेश : अरूणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर को जोड़ने के लिए 22 कि.मी. की एक नई लाइन का निर्माण हारमुति से नाहरलागुन तक किया जा रहा है, जो इटानगर का ही एक उप नगर है।

नगालैंड व मिजोरम : नगालैंड राज्य की राजधानी कोहिमा (जुब्जा) और मिजोरम राज्य की राजधानी आइजोल (सैरंग) को जोड़ने की परियोजना भूमि अधिग्रहण के चरण में है। कटाखल-भैरवी एक उच्च प्राथमिकता वाली परियोजना है तथा यह मिजोरम (सैरंग) की राजधानी को भी जोड़ती है। इस आमान परिवर्तन परियोजना का शुभारंभ लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के चालू होने पर निर्भर है जिसका लक्ष्य मार्च, 2015 है।

शब्द ज्ञान

Casual leave	आकस्मिक छुट्टी
Ad hoc	तदर्थ
Project	परियोजना
Designation	पदनाम
Departmental	विभागीय
Ministry	मंत्रालय
Implementation	कार्यान्वयन
Parliamentary	संसदीय
Representative	प्रतिनिधि

राष्ट्रीय परियोजनाएं

लमडिंग-बदरपुर-सिलचर, अरूणाचल-जिरिबाम तथा बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन और बराईग्राम-दुल्लमछेरा (29.4 कि.मि.), करीमगंज-मैशासन (10.3 कि.मी) और करीमगंज बायपास लाइन (3.0 कि.मी.) का आमान परिवर्तन हेतु सामग्री आशोधन (कुल-420.26 कि.मी.)

माह के दौरान 1.558 लाख क्यूबिक मी. भू-कार्य, 0.15 कि. मी. फॉर्मेशन, 95.85 आर एम सुरंगीकरण, 20 आर एम कट एंड कवर, मुख्य लाइन का 2.72 कि.मी. एवं 0.03 कि.मी. लूप लाइन का ट्रैक लिंकिंग, 4 छोटे पुलों, 2600 क्यू बिक मीटर गिट्टी आपूर्ति और 1.50 कि.मी. स्लीपर तथा 2.17 कि. मी. रेल बिछाने का कार्य पूरा किया गया।

जिरिबाम से तुपुल तक नई बीजी लाइन (84 कि.मी.)

1308.802 हेक्टेयर भूमि में से 1263.3 हेक्टेयर भू-अधिग्रहण, 523.89 लाख क्यूबिक मीटर में से 389.25 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 83.7 कि.मी में से 13.20 कि.मी फॉर्मेशन, 112 में से 30 छोटे पुल, 5 में से 5 आर.ओ.बी./आर.यू.बी, 232000 में से 30500 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति और 39301.0 मीटर में से 7466 मीटर सुरंगीकरण का कार्य अब तक पूरा किया गया। 12.0 कि. मी. मुख्य लाइन एवं 1.20 कि. मी. लूप लाइन का ट्रैक लिंकिंग भी पूरा किया गया।

रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन

रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ-डेकारगांव (145 कि.मी) के संपूर्ण सेक्शन का ट्रैक लिंकिंग पूरा किया गया और दिनांक 12-03-12 तथा 17-03-12 को सेक्शन में इंजन चलाया गया। दिनांक 4 से 6 अप्रैल, 2013 को सीआरएस निरीक्षण किया गया।

रंगापाड़ा नॉर्थ-नॉर्थ लखीमपुर (172 कि.मी) के संपूर्ण सेक्शन का ट्रैक लिंकिंग पूरा किया गया और दिनांक 24 से 26 मार्च, 2013 को इंजन चलाया गया।

माह के दौरान 0.11 लाख क्यूबिक मी. भू-कार्य, बड़े पुल की 5 उप संरचना और 4 अधिसंरचना, 16500 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति 16000 और 15.0 कि.मी. रेल और स्लीपर बिछाने का कार्य पूरा किया गया।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल

पुल के उत्तरी तट तथा दक्षिणी तट रेल लिंक पर तटबंध, बड़े एवं छोटे पुलों, स्टेशन निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।

दिनांक 08-12-2009 को बोगीबिल पुल परियोजना के साउथ बैंक सेक्शन पर मोरानहाट-चाउलखोवा (44 कि.मी.) रेल लिंक को चालू किया गया और दिनांक 29-01-2010 को सेक्शन ओपन लाइन को सुपुर्द किया गया।

उत्तरी और दक्षिणी मार्गदर्शी बांध का निर्माण अंतिम लेवल तक अर्थात् आर एल 110.52 मीटर तक तथा संरक्षण कार्य अर्थात् साउसेज क्रेटस, ढाल पिचिंग एवं ग्राउंटिंग सहित अंतिम लेवल अर्थात् आर एल 116 मी. तक संयुक्त पहुंच तटबंध कार्य पूरा हो गया है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21.50 कि. मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण)

रेलवे बोर्ड के दिनांक 13-10-09 के पत्र संख्या 2001/डब्ल्यू-1/एन एफ/एध्न एल/सी ए/6-पार्ट के अनुसार आजरा-बरनीहाट नई लाइन के वैकल्पिक संरेखण के रूप में तेतेलिया-बरनीहाट का अध्ययन किया गया। असम और मेघालय की राज्य सरकारों एवं ओपन लाइन ने प्रस्तावित वैकल्पिक संरेखण को अनुमोदित कर दिया है। 19.2 कि. मी. सेक्शन असम में तथा 2.3 कि. मी. मेघालय में पड़ता है। तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-2010 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

अगरतला से सबरूम तक सम्पूर्ण लम्बाई के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य तथा भूमि पर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। भू-तकनीकी जाँच भी पूरी कर ली गई है।

दिनांक 29-07-09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 352.95 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का पार्ट-III विस्तृत प्राक्कलन भी रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है।

भैरव-सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन

भैरव-सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन हेतु भूमि पर संरेखण का स्टेकिंग सहित फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। 12.0 कि.मी. भू-तकनीकी जाँच, 9.00 कि.मी. प्रतिरोधात्मक सर्वेक्षण भी पूरा किया गया। रेलवे बोर्ड ने दिनांक 01.09.2011 को कुल 2384.34 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है।

सेवक से (44.33 कि.मी.) रंगपो तक नई बड़ी लाइन

कुल 3380.58 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति के लिए दिनांक 30.12.2009 को रेलवे बोर्ड में प्रस्तुत किया गया। दिनांक 03.08.2012 को रेलवे बोर्ड के नवीनतम टिप्पणी का अनुपालन किया गया।

परियोजना निष्पादन के लिए मेसर्स इरकॉन को सौंपी गई है और इरकॉन के साथ दिनांक 07.05.10 को एम ओ यू हस्ताक्षर किया गया।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बड़ी लाइन (108.4 कि.मी.)

बरनीहाट से लाइलाड (20 कि.मी.) तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। मेघालय के एक एन जी ओ, खासी स्टूडेंट यूनियन (के एस यू) द्वारा नवंबर, 2010 में कार्य रोकने के पूर्व अगले 35 कि.मी. के लिए स्थलाकृति सर्वेक्षण पूरा किया गया। निर्माण-पूर्व कार्रवाईयों के लिए पार्ट-I विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत है।

कुमारघाट-अगरतला नई लाइन (109 कि.मी.)

कुमारघाट से मानु (20 कि.मी.) दिनांक 27.12.2002 को चालू किया गया। मानु-अगरतला (89 कि.मी.) कार्य पूरा किया गया। यह सेक्शन एम जी ट्रेन सर्विस के लिए दिनांक 05.10.08 को चालू किया गया।

लिंक फिगर्स सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (511.88 कि.मी.)

इस कार्यालय का दिनांक 07.09.05 के पत्र सं.डब्ल्यू/98/कॉन/रंगिया-एमजेडएस/भाग-II के अंतर्गत रंगिया-रंगापाड़ा के लिए कुल 327 करोड़ रूपया का पार्ट विस्तृत प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 28.11.06 को पुलों तथा फार्मेशन के लिए कुल 75.27 करोड़ रूपए का सिविल इंजीनियरी प्राक्कलन स्वीकृत किया गया। रेलवे बोर्ड द्वारा 19.09.08 को शेष कार्य के लिए कुल 1480.96 करोड़ का पार्ट-II विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया गया।

वित्तीय निष्पादन

2012-13 में निष्पादन

- खर्च (लगभग) = 2789.18 करोड़ रूपये

2013-14 के लिए परिव्यय

- अतिरिक्त बजटीय सहायता = 0.00 करोड़ रूपये
- मांग-16 = 2359.58 करोड़ रूपये

कुल = 2359.58 करोड़ रूपये

2013-14 में खर्च

- अप्रैल, 13 के दौरान खर्च (लगभग) = 277.14 करोड़ रूपये + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 277.14 करोड़ रूपये

- अप्रैल, 13 तक संचयी खर्च (लगभग) = 277.14 करोड़ रूपये + 0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 277.14 करोड़ रूपये

परिव्यय का खर्च (%) = 11.75 %

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	उपलब्धि	चालू करने की तिथि
रंगिया-रंगापाड़ा-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन परियोजना	रंगिया स्टेशन	02.03.2013
	खांडीकर स्टेशन	18.04.2013
	गोरेश्वर स्टेशन	23.05.2013
	सैंरावाड़ी स्टेशन	23.03.2013
	टंगला स्टेशन	06.06.2013
	हरिसिंगा स्टेशन	06.06.2013
	उदालगुड़ी स्टेशन	06.06.2013
कटिहार-तेजनारायणपुर आमान परिवर्तन परियोजना	मनिहारी स्टेशन	16.03.2012

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
न्यू बंगाईगांव-वर्कशॉप आरसीसी बाउंडरी वॉल	70%	3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ। बाउंडरी वॉल का कार्य पूरा किया गया।
सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीजल लोकोशेड का विस्तार	95%	31.08.2011 कार्य प्रगति पर है।
सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	100%	31.3.11 कार्य पूरा हुआ और चालू किया गया।

वर्ष 2013-14 के लिए लक्ष्य निर्धारित कार्य

- हारमुति-नहरलागुन नई लाइन
- दुधनोई-मेंदीपथार नई लाइन
- नॉर्थ लखीमपुर-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन
- आमबाड़ी-फालाकाटा-बेलाकोबा दोहरीकरण
- रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन

सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति
1.	इंम्फाल से मोरेह	2012-13	मणिपुर	80%
2	सायरंग से बिछुआ	2013-14	मिजोराम	10%
3	पानीसागर से सिमनापुर	2013-14	त्रिपुरा	10%
4	पाथरकांदी से कानमुम	2013-14	असम तथा मिजोराम	10%
5	न्यू मैनागुडी से गुमानीहाट	2012-13	पश्चिम बंगाल	40%
6	तेजनारायणपुर से साहेबगंज	2012-13	बिहार	10%

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन में जनवरी, फरवरी तथा मार्च, 2013 में सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए इन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यालय/विभाग	सेवानिवृत्ति माह
1.	श्री श्यामल दत्त	टीआई/नि	उप मु.परि.प्र/नि	जनवरी,2013
2	श्री गोपाल चंद बोरदलई	पीएस-II/नि	मु.सि.व दू.सं.इंजी./नि	जनवरी,2013
3	श्री रजत सरकार	कनिष्ठ लिपिक /नि	उ.मु.सि.व दू.सं.इंजी./ नि	जनवरी,2013
4	मो: नाजिम अली	प्यून/नि	उप मु.इंजी./नि/यो	जनवरी,2013
5	मो:सरिओद अली	जी/मैन/नि	उमु.इंजी./नि/मालीगांव	जनवरी,2013
6	श्री एम.डी. गुप्ता	कांजी/नि/ अगरतला	उप मु.इंजी./नि अगरतला	जनवरी,2013
7	श्री जी. दे	कनिष्ठ इंजी./नि/I	उप मु.इंजी./नि/ नक्शा	फरवरी, 2013
8	श्री उमेश चंद्र दास	वित्त सहायक/नि	वि.स.व मुलेधि /नि/ एनजेपी	फरवरी, 2013
9	श्री जे.एन. मुखजी	कनिष्ठ लिपिक/नि	कांजी/नि/मालदा	फरवरी, 2013
10	श्री बी.बी. मंडल	वरिष्ठ खलासी/नि	उप मुंजी/नि/एनजेपी	फरवरी, 2013
11	श्री डी. काहली	उप मु.वि.इंजी./ नि/ लमडिंग	मु.वि.इंजी./नि	फरवरी, 2013
12	श्री अतुल चंद्र कलिता	पीएस/नि	मुंजी/नि-IV	मार्च, 2013
13	श्री रोहितेश्वर शर्मा	व.स.वि.स./नि	वि.स.व मुलेधि/नि	मार्च, 2013
14	श्री एल.के. मजुमदार	एम/ड्राइवर/I/नि	उप मु.सि.व दू.सं. इंजी/ नि	मार्च, 2013
15	श्री लक्ष्मण बसाक	दफ्तरी/नि	उप मुंजी/नि/सा/ मालीगांव	मार्च, 2013
16	मो. हामिद अली	सीनियर ट्रैकमैन/नि	उप मु.इंजी./नि/ I/लामडिंग	मार्च, 2013
17	मो. आइनुल अली	सीनियर ट्रैकमैन/नि	उप मु.इंजी./नि/डीवीआरटी	मार्च, 2013

निर्माण संगठन के सृजन का लघु इतिहास

पूर्वोत्तर के सात राज्यों असम, त्रिपुरा, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड, अरूणाचल एवं मिजोरम के सामाजिक-आर्थिक एवं संतुलित विकास हेतु परामर्शी निकाय के रूप में कार्य करने के लिए संसद में भारत सरकार द्वारा वर्ष 1971 में पूर्वोत्तर परिषद (एन ई सी) अधिनियमित कर गठित की गई । किसी भी क्षेत्र के द्रुतगामी विकास के लिए रेल विस्तृत आधारभूत संरचना युक्त एक महत्वपूर्ण सेक्टर रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों ने पूर्वोत्तर परिषद मंच के माध्यम से असम के निकटवर्ती पहाड़ी राज्यों में रेल सम्पर्क की मांग करते रहे हैं । तद्नुसार, भारत सरकार ने वर्ष 1979 में छः पहाड़ी राज्यों में से प्रत्येक में एक नई लाइन बिछाने का निर्णय लिया । इसके बाद सिक्किम को भी पूर्वोत्तर परिषद में शामिल किया गया। साथ ही पूर्वोत्तर परिषद ने भी तेजपुर के निकट ब्रह्मपुत्र पर 3 कि.मी. लम्बी पुल के निर्माण का निर्णय लिया । रेल को यह निर्माण निक्षेप कार्य के रूप में सौंपा गया । रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के रेल निर्माण परियोजनाओं के बृहत आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए नई एवं अन्य चालू कार्य के साथ बीजी लाइन परियोजनाओं के प्रबन्धन एवं नियंत्रण हेतु गुवाहाटी मुख्यालयाधीन महाप्रबन्धक के नेतृत्व में एक अलग निर्माण संगठन का सृजन किया ।

भाव

देखती रही प्रवाह नदी की पावन धारा का
शायद मेरी दृष्टि लहरों के साथ
दूर तक जायेगी
और इसी तरह यात्रा होगी
नदी के सागर में मिलने तक
अनगिनत लहरें, अनंत जन्म
आये और चले गये
अंतरात्मा है साक्षी- इस प्रवाह की
तरंगे उठी, गिरी और आगे बढ़ी
अभिलाषा जन्मी , पली,
अधूरी या पूरी- शान्त हो गई
आँसू निकले, प्रवाह में मिल गये
स्वेद बिंदु चमके, ओझल हो गये
पर शायद ये सब कुछ
विलीन हुए दृष्टि से, खोये नहीं
कुछ अदृश्य था, जो साथ रहा
हमेशा- अंतःकरण का भाव बनकर।

- अपर्णा त्रिपाठी

वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/निर्माण-3

पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन का मुख्यालय भवन

"अपने ऊपर इस डर को कभी हावी न होने दें कि किसी काम को करने में कितना समय लगेगा। वह समय किसी-न-किसी तरह बीत ही जाएगा, लेकिन हमें उस बीतने वाले समय का बेहतर-से-बेहतर उपयोग करने की कोशिश करनी चाहिए।"

-अर्ल नाइटिंगल

"ज़िम्मेदारियाँ उस व्यक्ति की ओर खिंची चली आती हैं, जो उन्हें कंधे पर उठा सकता है।"

-एल्बर्ट हब्बर्ड

कुछ करने की कोशिश करके असफल हो जाने वाले लोग उन लोगों से लाख गुना बेहतर है, जो कुछ किए बिना सफल हो जाते हैं।

-लॉयड जॉस

लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित सुरंग

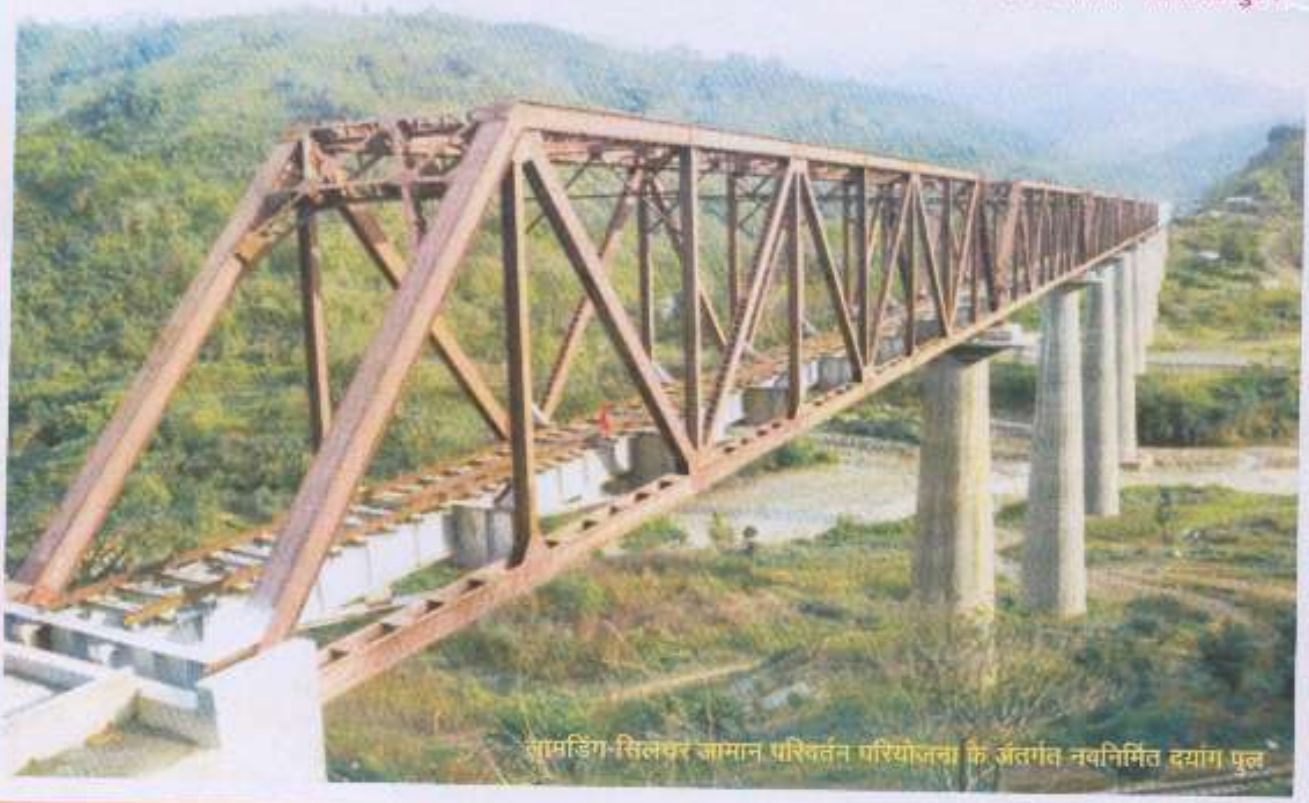

लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित दयांग पुल